एमएसएमई औद्योगिक मेले के आयोजन पर माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

आज इस एमएसएमई औद्योगिक मेले और प्रदर्शनी के अंदर हमारे बीच में पधारे महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री, केंद्र सरकार में लघु उद्योग, खादी और विभिन्न विभागों के मंत्री, माननीय श्री नारायण राणे जी का मैं हार्दिक अभिनन्दन करता हूं, स्वागत करता हूं।

नारायण राणे जी महाराष्ट्र के एक बहुत संघर्षशील व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने जीवन भर गरीब, शोषित व्यक्तियों के जीवन को परिवर्तन करने का काम किया और समाज के अंदर किस तरीके से लोगों की जिंदगी बेहतर हो, उसके लिए उन्होंने पूरे महाराष्ट्र में लगातार काम किया।

मुझे आशा है कि आपके नेतृत्व के अंदर भारत के अंदर सूक्ष्म लघु, मध्यम उद्योगों को नई दिशा मिलेगी और आने वाले समय के अदंर हमारा एमएसएमई सैक्टर जो आज भी देश के अंदर आर्थिक ग्रोथ का इंजन है, जो आज भी हमारे आर्थिक तंत्र का महत्वपूर्ण उद्योग है, जो सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला है, उसमें आपके विजन से नई दिशा मिलेगी।

इस देश के अंदर एमएसएमई का योगदान तीस प्रतिशत है और रोजगार की दृष्टि से देखें तो सबसे ज्यादा अगर रोजगार मिलता है तो एमएसएमई सैक्टर के अंदर रोजगार मिलता है। आने वाले समय के अंदर भारत के प्रधान मंत्री जी का मानना है कि एमएसएमई सैक्टर केवल हमारे भारत का ही नहीं, ग्लोबल आर्थिक तंत्र बने और इसीलिए एमएसएमई सैक्टर के अंदर सरकार ने बहुत नीतियां बनाई हैं, पॉलिसीज़ बनाई हैं। इन नई नीतियों और पालिसीज़ के माध्यम से छोटे-छोटे गांवों के अन्दर भी हम लघु उद्योग लगाकर, सूक्ष्म उद्योग लगाकर, कुटीर उद्योग लगाकर, खादी ग्रामोद्योग लगाकर, लोगों की जिंदगियों को बेहतर कर सकते हैं और रोजगार भी दे सकते हैं।

इसीलिए, सरकार ने एक और प्रयास किया है कि हर जिले के अंदर जो वहां का प्रोडक्ट हो, उस प्रोडक्ट को आने वाले समय के अंदर ग्लोबल मार्केट मिले, उसके लिए भी

एक डिजिटल सिस्टम को डेवलप किया है, ताकि किसी छोटे गांव के अंदर भी कोई प्रोडक्ट बनाता है, कोई वैल्यू एडीशन करता है, तो उसका मार्केट राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय हो सके। आने वाले समय के अंदर, इस देश के अंदर, समाज के अंदर अगर परिवर्तन लाना है, लोगों को आर्थिक रूप से मजबूत करना है, गांवों के अंदर रोजगार देकर लोगों की, नौजवानों की जिंदगियों को बेहतर करना है, तो इस सैक्टर की ओर विशेष ध्यान देना पड़ेगा।

जैसा कि माननीय मंत्री जी ने चिंता व्यक्त की और यह मेरे लिए भी विशेष चिंता का विषय है कि किसी जमाने में कोटा औद्योगिक नगर कहलाता था और आज देश के अंदर सबसे कम एमएसएमई सैक्टर के रूप में हम खड़े हैं।

इसलिए इस मेले और प्रदर्शनी लगाने का उद्देश्य भी यही है। हमने पहले डिफेंस एक्सपो लगाया। डिफेंस की बड़ी-बड़ी कंपनियां आईं ताकि डिफेंस सैक्टर के छोटे और लघु उद्योग, एमएसएमई इंडस्ट्री लगे। इसके बाद हमने कृषि स्टार्टअप मेला लगाया।

हाड़ोती कृषि प्रधान है, हम किस तरीके से किसान की आमदनी बढ़ाएं और गांवों के अंदर जो उत्पादन हो रहा है, फसल पैदा हो रही है, उसका वैल्यू एडीशन करके राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मार्केट दे सकें। इसमें कुछ बेहतर स्टार्टअप्स भी आए थे। आज एमएसएमई का मेला मील का पत्थर साबित होगा।

नौजवान साथियो, हमारे जीवन के अंदर पढ़ने के साथ ही एन्टरप्रियोनरशिप होनी चाहिए। हमारे हर कार्य में उद्यमिता होना चाहिए। अगर हमारा विज़न, हमारी रिसर्च, हमारी इनोवेशन इस दिशा की ओर होगी तो आने वाले समय में आप नौकरी लगाने वाले होंगे, नौकरी मांगने वाले नहीं होंगे।

मैं देखता हूं, जब भी मैं रोजगार मेला लगाता हूं, हजारों की तादाद में नौजवान आते हैं। अब इन नौजवानों को कोशिश करनी चाहिए कि हम किस तरीके से नए स्टार्टअप लगाएं। गांवों के अंदर छोटे, लघु कुटीर उद्योग लगाएं, हस्तकला, शिल्पकला के उद्योग

लगाएं और गांवों में उस प्रोडक्ट की मार्केटिंग करने के लिए तो आजकल डिजिटल प्लेटफार्म है, जिसका वे बेहतर तरीके से उपयोग कर सकते हैं।

यहां इंडस्ट्री सैक्टर के लोग भी बैठे हैं, मैं उनसे भी आग्रह करना चाहता हूं कि अगर इंडस्ट्री सैक्टर को डेवलप करना है तो जो नए इनोवेशन, नई रिसर्च और परिवर्तन हो रहे हैं, उन परिवर्तनों को कोटा में लाकर इंडस्ट्री सैक्टर के लोगों को बताना चाहिए।

कोटा वह शहर है, जो रोड कनैक्टिविटी में सबसे बेहतर है। दिल्ली-मुम्बई कोरिडोर बनने के बाद आने वाले समय में साढ़े चार घंटे में दिल्ली और साढ़े सात घंटे में मुम्बई पहुंच सकेंगे। चम्बल एक्सप्रेस वे बनने के बाद आप आने वाले समय में कोटा से चलकर इटावा, इटावा से उत्तर प्रदेश, कानपुर साढ़े पांच या छः घंटे में पहुंच जाएंगे।

रोड कनैक्टिविटी किसी भी क्षेत्र में आर्थिक प्रगति का द्योतक होता है। रेल कनैक्टिविटी, रोड कनैक्टिविटी और सबसे बड़ी बात किसी इंडस्ट्री को लगाने के लिए पानी चाहिए। चम्बल मां का हमें वरदान है इसलिए पानी की कोई कमी नहीं है। बिजली के हर तरह के उद्योग, कोयले, गैस, एटॉमिक पावर से लेकर तमाम जिस तरीके की बिजली पैदा हो सकती है, वह कोटा में हो सकती है।

आप समय की चिंता न करें, बहुत जल्दी एयरपोर्ट भी आ जाएगा और हर तरह की कनैक्टिविटी भी बढ़ जाएगी।

लेकिन सबसे बड़ा आपको काम करना है कि हम किस तरीके से एमएसएमई सैक्टर डेवलप करें।

मैं कुछ दिनों से देख रहा हूं कोटा में कोचिंग बनने के बाद हमारे इंडस्ट्री सैक्टर के लोग होस्टल की तरफ बढ़े हैं। होस्टल बनाना हमारा काम हो सकता है, लेकिन हमारी बेसिक एन्टरप्रिन्योरशिप इंडस्ट्रीज़ की थी और इंडस्ट्रीज़ के लिए आज नारायण राणे जी यहां हैं, देश के कई अलग हिस्सों से यहां इंडस्ट्रीज़ के लोग आए हैं, आप उनको देखें, समझें और किस तरीके से भविष्य में और इंडस्ट्रीज़ लग सकती हैं, उसकी कार्य योजना बनाएं।

निश्चित रूप से हमारा लक्ष्य दो साल में यह होना चाहिए कि हम कोटा को औद्योगिक नगरी बनाएं, हाड़ोती को औद्योगिक नगरी बनाएं, चाहे कोटा हो, बूंदी हो, बारां हो, झालावाड़ हो, तमाम सैक्टर को किस तरीके से इंडस्ट्रीज़ का हब बना सकते हैं। हर गांव में नौजवानों को छोटे-छोटे लघु उद्योग लगाकर रोजगार दे सकते हैं।

जब मैं गाँव में जाता हूं तो देखता हूं कि जब छोटी इंडस्ट्री भी गाँव में आती है तो 25-50 लोग काम पर लग जाते हैं। अगर ये छोटे-छोटे इंडस्ट्रीज हर छोटे-छोटे गाँव में लगने लग जाएं तो आस-पास के गाँव में रोजगार के लिए इससे बड़ा कोई और साधन नहीं हो सकता है, इसलिए मेरा हमेशा प्रयास रहता है।

आने वाले भविष्य में इस देश को बदलने के लिए, इस देश को नई दिशा देने के लिए और इस देश की आर्थिक तंत्र को मजबूत करने के लिए एमएसएमई सबसे बड़ा सेक्टर है तथा सरकार का सारा ध्यान एमएसएमई सेक्टर के अंदर है।

सरकार की योजना है कि आने वाले समय में दुनिया के अंदर भारत ट्रेड, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म के मामले में एक हब बने। इसके लिए भारत के प्रधान मंत्री जी ने पूरे देश के एम्बेसीज से कहा है कि इस इलाके के अंदर देश में छोटे ट्रेड को बढ़ाने के लिए, भारत के उत्पादों को लाने के लिए, उस देश में जो अच्छी टेक्नोलॉजी है, उसको भारत में लाने के लिए और टूरिज्म बढ़ाने के लिए प्रयास करें। यह काम हमें करना है। ये सब एमएसएमई सेक्टर के दायरे में आते हैं।

मुझे आशा है कि आने वाले समय में हम सबके प्रयासों से यह काम जरूर होगा। आज यहां तीन दिन मेला लगेगा। आप यहां कुछ समझेंगे और कुछ देखेंगे। जब नारायण राणे जी दोबारा यहां आएं तो उनको 36,000 की जगह 60,000 एमएसएमई इंडस्ट्रीज देखने को मिले। उनका सपना और आपका सपना पूरा हो। सरकार हर तरीके का सहयोग देने के लिए तैयार है। आप चिंता मत कीजिए। चाहे बैंक हो या कोई और सेक्टर हो, आपको इंडस्ट्री लगाने में हर तरीके की सहायता मिलेगी।

आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।